रेजिडेंट डॉ. राकेश विश्नोई सुसाइड मामला: जोधपुर में रेजिडेंट्स का कार्य बहिष्कार जारी

जयपुर के एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर गुरुवार को छठे दिन भी धरना जारी रहा

- रेजिडेंट्स डॉक्टर की हड़ताल के चलते मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा
- मामले को लेकर पूर्व विधायक मलखानसिंह विश्नोई सहित विश्नोई समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन दिया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की एसएन मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर राकेश विश्नोई के सुसाइड मामले को लेकर रेजिडेंट डॉक्टर्स ने दूसरे दिन भी कार्य बहिष्कार किया। एसएन मेडिकल कॉलेज के सभी रेजिडेंट डॉक्टर ने दो घंटे की सुबह आठ से दस बजे तक पेनडाउन हड़ताल रखी।

रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन का कहना है कि डॉ. राकेश के सुसाइड मामले को लेकर अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासन की चुप्पी के विरोध में प्रतीकात्मक हड़ताल रखी गई। एसोसिएशन के महासचिव रणजीत चौधरी ने बताया कि संबंधित व्यक्ति को तत्काल पद से हटाने, पीड़ित परिवार की बात सुनकर स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करने और इसके साथ ही सभी रेजिडेंट्स को मानसिक सुरक्षा और कार्य का वातावरण मिलने की मांग रखी है। मांगों पर कार्रवाई नहीं होने तक कार्य का बहिष्कार जारी रहेगा। एसोसिएशन की बैठक करके आगे की रणनीति तय पर चर्चा की गई। वहीं, रेजिडेंट्स की हड़ताल के चलते मरीजों को परेशानी का भी सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार डॉक्टर राकेश ने शुक्रवार (13 जून) को जहर खा लिया था। गंभीर हालत में उन्हें जयपुर रेफर किया था, जहां 14 जून रात में उनकी मौत हो गई। डॉक्टर ने मौत से पहले एक वीडियो में कहा था फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी थीसिस को लेकर परेशान कर रहे हैं। जिसके चलते मैंने ये कदम उठाया।

एसएन मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी राजकुमार राठौड़ ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टर पहले से मानसिक रूप से परेशान थे और उनका इलाज चल रहा था। रेजिडेंट्स डॉ. राकेश विश्नोई के परिजन फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. राजकुमार राठौड़ पर कार्रवाई सहित मांगों को लेकर जयपुर के एसएमएस अस्पताल के बाहर धरना दे रहे हैं। दूसरी तरफ इस मामले को लेकर पूर्व विधायक मलखानसिंह विश्नोई सहित विश्नोई समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। डॉक्टर राकेश बिश्नोई के आत्महत्या किए जाने के मामले में मांगों को लेकर गुरुवार को बिश्नोई समाज ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि राकेश विश्नोई एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर में फार्माकोलॉजी विभाग में पीजी तृतीय वर्ष के रेजिडेंट थे। उनको उन्हीं के विभाग के प्रमुख राजकुमार राठौड़ बार-बार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे व उनकी बार-बार हद से ज्यादा मानसिक प्रताड़ना को सहन नहीं कर पा रहे थे। इसके चलते डॉ. राकेश विश्नोई ने परेशान होकर सेल्फोस की गोलियां खा ली। जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई।

मामले को लेकर विश्नोई समाज के नेता रामनिवास बुद्धनगर ने बताया इस मामले को लेकर बिश्नोई समाज के लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया है। जिसमें मांग की है कि राजकुमार राठौड़ को हत्या की संगीन धाराओं में त्वरित गिरफ्तार किया जाये। उच्च स्तर पर मामले की जांच की जाये। स्व. डॉ. राकेश विश्नोई की पत्नी को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी दी जाए।

रामनिवास बुद्धनगर ने बताया कि स्व. डॉ. राकेश विश्नोई के परिवार को दो करोड़ का आर्थिक मुआवजा दिया जाये। आगे से इस प्रकार की निन्दनीय घटना ना हो, उसके लिये सरकार ठोस कदम उठाये। यदि समय रहते सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानी तो मुख्यमंत्री के फलोदी दौरे का विरोध किया जाएगा। वहीं समाज की ओर से उठा आंदोलन भी किया जाएगा।

उधर रेजिडेंट डॉ. राकेश बिश्नोई की आत्महत्या के मामले में जयपुर के एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर गुरुवार को छठे दिन भी धरना जारी रहा। परिजन से वार्ता करने के लिए चार चिकित्सकों का एक प्रतिनिधिमंडल जयपुर पहुंचा, लेकिन विभिन्न मांगों को लेकर फिलहाल गतिरोध टूट नहीं पाया।

मेडिकल कॉलेज हॉस्टल के वाटर कूलर में करंट से चिकित्सक की मौत

घटना के बाद रेजीडेंट ने कार्य का बहिष्कार किया, कार्रवाई की मांग की

- साथी चिकित्सकों ने सीपीआर देते हुए उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मौत हो गई

उदयपुर, (निसं)। संभाग के सबसे बड़े राजकीय चिकित्सालय महाराणा भूपाल चिकित्सालय के आरएनटी मेडिकल कॉलेज हॉस्टल में बुधवार देर रात वाटर कूलर से पानी भरते करंट आने से एक चिकित्सक की मौत हो गई। मौत के बाद रेजीडेंट चिकित्सकों ने हंगामा करते हुए कार्य का बहिष्कार कर दिया।

आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेजीडेंट चिकित्सक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दीपेन्द्र ने बताया कि रवि का चचेरा भाई प्रशांत रेजीडेंट डॉक्टर है। प्रशांत रात को नाइट ड्यूटी पर था। रात करीब दो बजे रवि हॉस्टल की चौथी मंजिल पर स्थित वाटर कूलर से पानी भर रहे थे। इसी दौरान उन्हें करंट का झटका लगा और जोर से चिल्लाते हुए अचेत होकर गिर पड़े। इसके बाद साथी चिकित्सकों ने सीपीआर देते हुए उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन उनकी मौत हो गई।

सुबह घटना के विरोध में रेजीडेंट चिकित्सकों ने कार्य का बहिष्कार करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और कार्रवाई की मांग की। रेजीडेंट ने बताया कि वाटर कूलर में करंट की शिकायत करने के बावजूद उसका समाधान नहीं किया गया और यह हादसा हो गया। मृतक चिकित्सक डॉ. रवि शर्मा (35) जो खेरवाड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नियुक्त थे, वे अपने चचेरे भाई के पास एक-दो दिन हॉस्टल में रूके हुए थे। डॉ. रवि शर्मा ने जोधपुर मेडिकल कॉलेज से 2010 में एमबीबीएस की थी और अजमेर जेएलएन मेडिकल कॉलेज से पीजी की थी। इसके बाद खेरवाड़ा में बतौर मेडिकल ऑफिसर पोस्टेड थे और आरएनटी मेडिकल कॉलेज की सीनियर रेजीडेंट की लिस्ट में उनका नाम आया था इसके बाद वे जल्द ही यहां जॉइन करने वाले थे।

वहीं आरएनटी प्रिंसिपल विपिन माथुर ने समझाइश करते हुए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार करने की बात कही लेकिन रेजीडेंट नहीं माने और विरोध प्रदर्शन जारी रखा। इधर, संबंधित के खिलाफ कार्यवाही करने तक रेजीडेंट चिकित्सकों ने हडताल जारी रखने की बात कही है।

ग्राम देवमाली में पैंथर व दो शावक दिखे, ग्रामीणों व श्रद्धालुओं में दहशत

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड की ग्राम पंचायत देवमाली क्षेत्र व भगवान देवनारायण मंदिर परिसर व आसपास पैंथर और दो शावकों की तीन-चार दिनों से चहलकदमी से वन विभाग सतर्क हो गया है।

मंदिर में लगे सीसीटीवी में मूवमेंट

- वन विभाग अलर्ट मोड पर, पिंजरा लगाया

भगवान देवनारायण मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे में पैंथर विचरण करता दिखाई दिया।

के ग्रामीणों का दावा है कि दो शावक भी साथ हैं। ग्रामीणों व श्रद्धालुओं में दहशत का माहौल देखने को मिल रहा है। दो दिन पूर्व भगवान देवनारायण मंदिर परिसर में भी उनकी चहल कदमी दिखाई दी। सीसीटीवी कैमरे में पैंथर विचरण करता दिखा।

वह पहले मंदिर तक बनी सीढ़ीयों पर चढ़ा, रेलिंग में से दूसरी ओर गया किसी वस्तु से अचानक चमक कर तेजी से सीढ़ी से नीचे की ओर भाग गया। सीसीटीवी कैमरे में पैंथर वहां से परिक्रमा स्थल होते हुए मंदिर में घूमता नजर आया। वहीं पैंथर अपने दो शावकों के साथ नजदीकी पहाड़ियों पर घूमता दिखा हालांकि ग्रामीणों का दावा है कि पैंथर के साथ उनके शावक भी घूम रहे हैं लेकिन सीसीटीवी कैमरे में केवल पैंथर ही घूमता नजर आया। जबकि मंदिर में सुबह की आरती में आने वाले श्रद्धालुओं में डर बना हुआ है। पैंथर और उसके शावक को मंदिर की पहाड़ी पर घूमता देखा गया। ग्रामीण में मवेशियों की सुरक्षा को लेकर काफी दहशत दिखाई दे रही है। लोगों ने बताया कि पैंथर की मौजूदगी से अब इंसानों की सुरक्षा को लेकर भी डर सताने लगा है। ग्रामीणों ने वन विभाग की को सूचना दी। सूचना पर वन विभाग अलर्ट हो गया। वनरक्षक हजारीलाल ने बताया कि पैंथर की गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग की टीम रात में गश्त कर रही है वहीं पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरा भी लगा दिया गया है। देवमाली में पिछले कुछ दिनों से पैंथर और उसके दो शावकों की मौजूदगी बनी हुई है। वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

तस्कर विष्णु सेन का अवैध मकान व संपत्ति कुर्क

उदयपुर, (निसं)। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी से अवैध आय से तस्कर विष्णु सेन द्वारा निर्मित मकान व संपत्ति को पुलिस ने कुर्क किया है। एसपी योगेश गोयल ने बताया कि अम्बामाता थाने के हिस्ट्रीशीटर विष्णु सेन उर्फ मुकेश सेन पुत्र सुरेश चन्द्र सेन निवासी हवेली नाका सराफा थाना अटलबंद भरतपुर हाल आमेट भवन ब्रह्मपोल दरवाजा अम्बामाता एवं कालारोही नाई के खिलाफ विभिन्न थानों में अवैध मादक पदार्थ तस्करी, अवैध हथियार सप्लाई एवं गभीर धाराओं के 30 अपराधिक प्रकरण दर्ज है। हिस्ट्रीशिटर विष्णु सेन की अर्जित आय व प्रोपर्टी के अवलोकन के आधार पर तत्कालीन अम्बामाता थानाधिकारी डॉ. हनुवंतसिंह राजपुरोहित द्वारा आरोपी की संपत्तियों की जांच शुरू की गई। इस दौरान आरोपी की संपत्ति मादक पदार्थों की अवैध तस्करी से अर्जित आय से बनाई गई है। आरोपी विष्णु सेन उर्फ मुकेश सेन व उसके परिजनों द्वारा आय के ज्ञात स्त्रोत की तुलना में कई गुना अधिक संपत्ति अर्जित की गई है, जो मादक पदार्थ तस्करी से प्राप्त आय से अर्जित करने की गई थी। इस पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 एफ में इस्तगासा तैयार कर पेश किया गया। इस पर दिल्ली स्थित प्राधिकृत अधिकारी के समक्ष इस्तगासा प्रस्तुत किया गया। मामले में जानकारी मांगने पर अम्बामाता पुलिस थाने द्वारा उपलब्ध कराई गई। मामले में प्राधिकृत अधिकारी ने विष्णु सेन को अपना पक्ष रखने का समय दिया लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। जबकि मामले में अम्बामाता थाना धिकारी मुकेश सोनी व एसपी कार्यालय में कार्यरत निरीक्षण संजीव स्वामी द्वारा तथ्यपरक पैरवी की गई। जिसे स्वीकार कर न्यायालय ने उचित मानते हुए दो मंजिला मकान, कार व बाइका कुर्क करने के आदेश जारी किए।

गंगनहर में 2500 क्यूसेक सिंचाई पानी की मांग, धरना जारी

श्रीगंगानगर, (निसं)। गंगनहर में पूरे 2500 क्यूसेक सिंचाई पानी की मांग को लेकर महाराजा गंगासिंह चौक पर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना गुरूवार को चौथे दिन भी जारी है। धरने का नेतृत्व श्रीकरणपुर विधायक रूपिंदर सिंह कुन्नर कर रहे हैं। गुरूवार को विधायक कुन्नर सहित 23 किसान सुबह से शाम छह बजे तक क्रमिक अनशन पर बैठे।

- श्रीकरणपुर विधायक रूपिंदर सिंह कुन्नर सहित 23 किसान क्रमिक अनशन पर बैठे

संघर्ष समिति किसान नेता रविंद्र तरखान ने बताया कि आंदोलन के तहत शुक्रवार 20 जून को विधायक सोहन नायक के नेतृत्व में किसान क्रमिक अनशन करेंगे। 21 जून को सांसद कुलदीप इंदौरा किसानों के साथ अनशन पर बैठेंगे। 22 जून को महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए पूर्व विधायक सोना देवी, कमला बिश्नोई, भूपेंद्र कौर दूरना, नमिता सेठी और दुर्गा स्वामी के नेतृत्व में महिलाएं धरनास्थल पर क्रमिक अनशन करेंगी। 23 जून को जिलेभर की सभी अनाज मंडियां बंद रखी जाएंगी। 24 जून को किसान प्रशासन का घेराव करेंगे। आंदोलन के लिए गठित संघर्ष समिति की बैठक में आगे की रणनीति तैयार की गई। किसानों की 15 सदस्यीय संघर्ष समिति ने कलेक्टर डॉ. मंजू को मुख्यमंत्री के नाम 5 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में 2500 क्यूसेक पानी की आपूर्ति, बीकानेर कैनाल की सफाई, सिंचाई पुलिस की संयुक्त गश्त, फिरोजपुर फीडर के टेंडर और फसल बीमा क्लेम के भुगतान की मांग की गई। धरना स्थल पर बुधवार को किसानों ने महापड़ाव किया। प्रशासन ने वार्ता के लिए दो बार न्योता भेजा, लेकिन किसानों ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब तक गंगनहर में तय हिस्से का 2500 क्यूसेक पानी नहीं पहुंचता, तब तक किसी अन्य मुद्दे पर बातचीत नहीं होगी।

किसान नेता रविंद्र तरखान ने बताया कि आंदोलन का असर दिखने लगा है। बीकानेर कैनाल में पानी का प्रवाह बढ़ा है। पहले जहां 1600 क्यूसेक पानी चल रहा था, वह अब बढ़कर 1833 क्यूसेक हो गया है। पंजाब के सिंचाई अधिकारियों ने आरडी 45 से पानी छोड़ना शुरू किया है। राजस्थान बॉर्डर पर स्थित खखां हैड पर भी पानी की आवक बढ़ रही है। धरना स्थल पर किसान प्रतिनिधिमंडल की कलेक्टर डॉ. मंजू के साथ बैठक हुई। कलेक्टर ने बताया कि वे और पुलिस अधीक्षक गौरव यादव शुक्रवार को पंजाब के फाजिल्का और फिरोजपुर जाकर वहां के जिला कलेक्टर और एसपी के साथ बैठक करेंगे। बीकानेर कैनाल में हो रही पानी चोरी को रोकने के लिए पंजाब प्रशासन पर दबाव बनाया जाएगा।

बैठक में सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता धीरज चावला ने बताया कि सिंचाई मंत्री सुरेश सिंह रावत ने 17 जून को पंजाब के जल संसाधन मंत्री से बातचीत की थी। इसके बाद ही 17 जून को पानी की मात्रा 1597 क्यूसेक से बढ़कर 18 जून को 1833 क्यूसेक हो गई।

ईसरदा बांध का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण

टोंक, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के हर छोर तक सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशन में सवाईमाधोपुर और दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य मिशन मोड पर किया जा रहा है। बांध के निर्माण का 95 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। बांध के पियर्स एवं गेटों का कार्य पूरा हो चुका है। मिट्टी के बांध का आंशिक कार्य ही शेष है।

- सवाईमाधोपुर और दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य मिशन मोड पर किया जा रहा है

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत गुरुवार को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय की ओर से मीडिया फील्ड भ्रमण का कार्यक्रम रखा गया। इसमें जिला मुख्यालय के पत्रकारों को निर्माणाधीन ईसरदा बांध का अवलोकन कराया गया। जनसंपर्क अधिकारी अपूर्व शर्मा ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य जिले में जल संरचनाओं के कार्यों एवं उससे भविष्य में होने वाले लाभ का प्रत्यक्ष अवलोकन कराना था।

ईसरदा बांध परियोजना के अधिशाषी अभियंता विकास गर्ग ने पत्रकारों को बांध के निर्माण कार्य, फिल्टर प्लांट साइट के कार्यों का निरीक्षण कराया। साथ ही, प्रगतिरत कार्यों, प्रभावित परिवारों को भूमि आवंटन, पुर्नवास अवार्ड कार्य की पूर्णता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भम्रण के दौरान ईसरदा बांध के सहायक अभियंता अभिषेक लसाड़िया, सौरभ सिंह, योगेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता खेमराज सैनी, सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के वरिष्ठ सहायक अक्षय नागरा, जनसंपर्क कर्मी रिजवान अनीस समेत सहित अन्य मौजूद रहे।

11 केवी विद्युत लाइन के करंट की चपेट से युवक की मौत

सायला, (निसं)। सायला नगर के शांतिपुरा स्थित हार्डवेयर की दुकान के आगे से गुजर रही विद्युत लाइन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पिजोपुरा निवासी कालुराम पुत्र मादाराम देवासी (40 वर्ष) सायला के शांतिपुरा स्थित गजानंद हार्डवेयर में नौकरी करता था, जो गुरुवार शाम करीबन सवा पांच बजे के लगभग दुकान की प्रथम मंजिल पर कार्य कर रहा था। इस दौरान दुकान के आगे से गुजर रही 11केवी विद्युत लाइन की चपेट में आने से घायल हो गया, जिसे दुकान मालिक द्वारा निजी वाहन की सहायता से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सायला लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित किया। इधर घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में देवासी समाज के लोगों सहित व्यापारी अस्पताल में एकत्रित हो गए। सूचना पर एएसआई लादूराम मय पुलिस अस्पताल पहुंची। मृतक के परिजनों के नहीं पहुंचने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो पाया।

देवासी समाज के लोगों सहित व्यापारी अस्पताल में एकत्रित हो गए।

हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। यहां जसरासर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गश्त के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई की। थावरिया के रहने वाले गुलाराम (32) पुत्र हेतराम मेघवाल को एक तलवार के साथ पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक रवीन्द्र सिंह कर रहे हैं। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान और बीकानेर रेंज के एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत की गई। अभियान का नेतृत्व आईजी ओमप्रकाश, एसपी कावेन्द्र सिंह सागर और एएसपी (ग्रामीण) कैलाश सिंह सांदू कर रहे हैं। वृताधिकारी हिमांशु शर्मा के सुपरविजन और थानाधिकारी संदीप कुमार के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।

भरतपुर : निजी अस्पताल में मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अपस्ताल में मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मामले की सूचना मिलते ही

- अस्पताल प्रबंधक का कहना है कि मजदूर की करंट लगने से मौत हुई है
- पिछले तीन-चार माह से अस्पताल में मजदूरी करने आ रहा था
- मृतक आठ बहनों के बीच इकलौता भाई था, तीन छोटे बच्चे भी हैं

भरतपुर के एक निजी अपस्ताल में मजदूर की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक के परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने अस्पताल प्रबंधक से बातचीत की तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक आठ बहनों के बीच इकलौता भाई था। मृतक के भी तीन छोटे छोटे बच्चे है। मां बाप बुजुर्ग है। मृतक ही पूरे परिवार का पालन- पोषण करता था। कोतवाली थाना पुलिस पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। हालांकि अस्पताल प्रबंधक का कहना मजदूर की करंट लगने से मौत हुई है।

जानकारी के मुताबिक जघीना गेट निवासी 44 वर्षीय रोशन सिंह पुत्र रामस्वरूप मजदूरी का काम करता था। पिछले तीन-चार माह से अस्पताल में मजदूरी करने आ रहा था। सुबह साढ़े आठ बजे अस्पताल की ओर से फोन गया कि रोशन की तबीयत खराब है, आईसीयू में भर्ती है और उपचार जारी है। उसके बाद परिजन अस्पताल पहुंचे जहां रोशन से नहीं मिलने दिया गया। थोड़ी देर में बताया गया कि उसकी मौत हो गई है, लेकिन अस्पताल प्रबंधक की ओर से परिजनों को मौत का कारण नहीं बताया गया तो इससे परिजन नाराज हो गए। सूचना मिलते ही और लोग भी अस्पताल पहुंचे। भीड़ को देख कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जहां परिजनों द्वारा कोतवाली थाना पुलिस पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। अभी अस्पताल की ओर से शव को नहीं दिया गया है। परिजन और अस्पताल प्रबंधक के बीज देर शाम तक वार्ता चल रही थी। बेटे की मौत की खबर सुनकर बुजुर्ग मां बाप, पत्नी, बच्चे और बहनों का रो-रो कर बुरा हाल है। निजी अस्पताल के प्रबंधक डॉक्टर लोकेश जिंदल से जब बातचीत हुई तो उन्होंने कहा कि करंट लगने से मजदूर की मौत हुई है। मजदूर के परिजनों से वार्ता चल रही है।

महिला कोरोना पॉजीटिव, अब तक 13 केस मिले

बीकानेर, (निसं)। शहर में कोरोना का एक और पॉजीटिव केस रिपोर्ट हुआ है। मरीज शास्त्रीनगर में रहने वाली 41 वर्ष की महिला है। इसे मिलाकर इस साल अब तक कोरोना के 13 केस आ चुके हैं। पीबीएम हॉस्पिटल की कोविड लैब में 30 मरीजों के सैम्पल लिए गए थे, जिनमें 25 मरीज मेडिसिन विभाग के आउटडोर में दिखाने आए थे। सभी जुकाम, खांसी, बुखार से पीड़ित थे। शेष पांच मरीज विभिन्न वार्डों में भर्ती चल रहे हैं। इनकी रिपोर्ट बुधवार को आई है।

जानकारी के अनुसार इनमें दो मरीज ऐसे भी हैं, जो 13 जून की जांच में पॉजीटिव रिपोर्ट हुए थे। खतूरिया कॉलोनी में रहने वाले दो भाइयों ने दोबारा जांच कराई थी। उनकी रिपोर्ट फिर से पॉजीटिव आई है। हालांकि दोनों ही पहले से ही पॉजीटिव चल रहे थे। इसलिए इन्हें रिकॉर्ड में नहीं लिया गया है। गौरतलब है कि सोमवार को नर्सिंग हास्टल में रहने वाली बीएससी नर्सिंग की एक छात्रा पॉजीटिव रिपोर्ट हुई थी। उसके संपर्क में आने वाली दो अन्य छात्राएं ठीक बताई जा रही हैं। पीबीएम अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने बताया कि कई बार मरीज देरी से निगेटिव आते हैं। गंभीर और असाध्य रोगी लंबे समय तक पॉजीटिव रहते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना को चिंताजनक नहीं माना है। भारत में कोविड का जेएन.1 वेरिएंट सबसे आम है।

पांच हजार की रिश्वत लेते एएसआई गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक एएसआई को पांच हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एएसआई द्वारा परिवादी की एक्सीडेंटल गाड़ी को न्यायालय से छुड़वाने के आदेश करवाने एवं मुकदमे में मदद करने की एवज में रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा था। जिसके चलते परिवादी ने एसीबी भरतपुर टीम को अवगत कराया और एसीबी टीम ने सत्यापन करने के बाद रंगे हाथों धर दबोचा। एसीबी द्वारा प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

आरोपी एएसआई।

भरतपुर एसीबी एडिशनल एसपी अमित चौधरी ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक परिवादी ने शिकायत दी कि उकसी एक्सीडेंटल गाड़ी को न्यायालय से छुड़वाने के आदेश करवाने एवं मुकदमे में मदद करने की एवज में आरोपी पृथ्वीराज सहायक उप निरीक्षक पांच हजार रूपये रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा है, जिसका सत्यापन करने के बाद एसीबी की टीम ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए गहनोली मोड पर तैनात आरोपी पृथ्वीराज सहायक उप निरीक्षक को पांच हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 2024 (STSE-2024) कक्षा - 10
राज्य स्तरीय गणित एवं विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा (STSE-2024) कक्षा - 12
राज्य स्तरीय कला एवं वाणिज्य प्रतिभा खोज परीक्षा (STSE-2024) कक्षा - 12
ऑनलाईन प्रवेश पत्र एवं केन्द्र सामग्री जारी करने की सूचना

कक्षा 10 एवं कक्षा 12 हेतु राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा (STSE) 2024 का आयोजन रविवार 29.06.2025 को 09.00 AM से 01.00 PM तक राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। इस परीक्षा हेतु केन्द्र सामग्री एवं परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाईट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर अपलोड कर दिये गये है। सभी शाला/संस्था प्रधान उन्हें पूर्व प्रदत्त login ID / password की सहायता से प्रवेश पत्र डाउनलोड करें व हॉर्ड कापी निकालकर प्रमाणीकरण पश्चात् परीक्षार्थियों को वितरित करें। केन्द्राधीक्षक भी निर्धारित प्रकियानुसार केन्द्र सामग्री डाउनलोड करें। ऑनलाईन प्रवेश पत्र एवं केन्द्र सामग्री डाउनलोड संबंधी समस्या हेतु ए.सी.पी.(IT&C) से 0145-2632865, 2627454 पर तथा अन्य सहायता हेतु नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नं. 0145-2632866, 867, 868 एवं उप निदेशक (परीक्षा-I) से दूरभाष नं. 0145-2425770 पर सम्पर्क करें।

सचिव